-संवत् 2067 (सन् 2010-11) में पृथ्वी में कुल चार ग्रहण घटित होंगे, जिसमें दो ग्रहण दृश्य व दो ग्रहण अदृश्य होंगे-

1. खण्डग्रास चन्द्रग्रहण- यह चन्द्र ग्रहण ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा (शनिवार) दिनांक २६ जून, २०१० को भारत में दिखाई देगा। ग्रहण का स्पर्श दोपहर ३.५० बजे, ग्रहण का मध्य सांय ५.१० बजे, ग्रहण का मोक्ष सांय ६ बजे ३० मिनट पर होगा।

2. खण्डग्रास सूर्यग्रहण- यह खण्डग्रास सूर्य ग्रहण पौष कृष्ण अमावस्या (मंगलवार) दिनांक ४ जून, २०११ को भारत में स्वल्प ग्रास स्थिति में दिखाई देगा। इस ग्रहण का स्पर्श दिन २.४५ बजे, मध्य सांय ३.३५ बजे, मोक्ष ४. २० बजे सांय होगा।

विशेष- सूर्य ग्रहण में १२ घण्टे पूर्व व चन्द्र ग्रहण में ९ घण्टे पूर्व सूतक लग जाता है। इसलिए इस अवधि में बालक, वृद्ध, रोगी व्यक्तियों को छोड़कर समर्थवान जनों को भोजनादि नहीं करना चाहिए।

११ जुलाई २०१० को खग्रास सूर्यग्रहण व २१ दिसम्बर २०१० स्वग्रास चन्द्रग्रहण भारत में अदृश्य होंगे। इसलिए ग्रहण सम्बन्धी कोई भी कृत्य आवश्यक नहीं है।

-ग्रहों के आधार पर इस वर्ष-

- 卐 इस वर्ष शोभन नामक संवत् होने के कारण लोगों में अनेक प्रकार के रोग-शोक व दु:खों में वृद्धि व अशान्ति अधिक रहेगी। राजनेताओं में परस्पर विरोध एवं तालमेल की कमी रहेगी।
- 卐 राजा-मंगल व मंत्री बुध होने के कारण राजनेताओं में परस्पर विरोध, द्वैष-टकराव की स्थिति रहेगी। अग्निकाण्ड व उपद्रव घटनायें अधिक होंगी। भारत की सीमाओं पर चीन-पाकिस्तान व अन्य आतंकी हमलों के खतरे बढ़ेंगे।
- 卐 बैशाख अधिक मास (१५ अप्रैल से १४ मई) तक रहने से किसी प्रधान नेता की आकस्मिक मृत्यु राज्य परिवर्तन व दुर्भिक्ष के संकेत मिलते हैं।
- 卐 १४ मई से २७ मई तक तेरह दिन का पक्ष होने से कहीं रेल या हवाई दुर्घटना, भूकम्प, अग्निकाण्ड, असामयिक वर्षा आदि प्राकृतिक प्रकोपों से भारी जन-धन एवं कृषि हानि का भय है।
- 卐 वर्ष के उत्तरार्ध में केन्द्रीय मंत्रीमण्डल में विशेष परिवर्तन तथा राजनैतिक पटल पर युवा नेताओं का आगमन होगा।